हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, गुरुवार, 18 सितंबर 2025

11 ओजोन परत के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक...

12 साउथ रेंज आईजी ने किया दौरा, 3 पुलिस कर्मियों को नकद...

जल घर में झाड़ियां, टैंक जर्जर, कर्मचारी भी ड्यूटी से नदारद

जलघर पर ताला, सिहमा के घरों में हो रही गंदे पानी की सप्लाई, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें दूषित पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है

मंडी अटेली। सिहमा में बना जलघर, जलघर में बने वॉटर टैंक के पानी में हरी काई के साथ उगी झाड़ियां व जलघर में लगे ताले को दिखता हुआ सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव। फोटो : हरिभूमि

नीरज कुमार ▶▶| मंडी अटेली

जनस्वास्थ्य विभाग के जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाने के दावे गांव सिहमा में पूरी तरह से फेल नजर आ रहे है। गांव में गंदे पानी की सप्लाई ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। ग्रामीणों में रोष बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें दूषित पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। बता दें गांव सिहमा में जलघर चार फरवरी 2004 को बनकर तैयार हो गया था। जिसका उद्घाटन तत्कालीन सांसद चौधरी अजय सिंह चौटाला द्वारा किया गया था।

करीब सात एकड़ में बने सिहमा जलघर में एक बड़े तालाब से लेकर छोटे बड़े छह टैंक बनाए हुए हैं। जिसमें करीब प्रतिदिन ढाई लाख लीटर पानी फिल्टर होता है। इस जलघर में नहर के पानी को बड़े तालाब में स्टोर किया जाता है। इसके बाद दो बड़े हाई लेवल टैंकरों में पानी छोड़ा जाता है। उसके बाद चार छोटे फिल्टर टैंकरों में पानी को पहुंचाया जाता है। छोटे टैंकरो का पानी क्लियर टैंक में जमा किया जाता है। इसके बाद उसे फिल्टर शुद्ध पानी को मोटर की सहायता से बड़ी टंकी में स्टोर किया जाता है। पानी स्टोर करने के बाद उसे पानी को प्रतिदिन सुबह गांव व अनेक जगहों पर पंपों के माध्यम से पहुंचाया जाता है। लेकिन ग्रामीण करोड़ों की राशि खर्च होने के बाद भी गंदा पानी पीने को मजबूर हैं।

सात एकड़ में बने जल घर के टैंकरों में काई, झाड़ियां और जर्जर हालत साफ दिखाई देती है। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों के निरीक्षण में जल घर पर ताला लटका मिला और कर्मचारी ड्यूटी से नदारद पाए गए। निरीक्षण में सामने आया कि जल घर के वॉटर टैंकों में हरी काई और झाड़ियां उग आई हैं। फिल्टर टैंक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इस दूषित पानी की वजह से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि जल घर से सप्लाई किया जा रहा पानी बिल्कुल अस्वच्छ है। महंत खेता नाथ राजकीय महाविद्यालय, राजीव गांधी स्टेडियम और श्मशानघाट तक पानी की सप्लाई भी प्रभावित हो रही है। मजबूरी में लोग नलकूपों और कैंपर के पानी पर निर्भर हो गए हैं।

कर्मचारी हाजिरी लगाकर गायब, जिम्मेदारी पर सवाल

गांव की सरपंच सुमन देवी के पति प्रमोद यादव ने आरोप लगाया कि कर्मचारी सुबह आकर केवल हाजिरी लगाते हैं उसके फिर गायब हो जाते हैं। कई बार ग्रामीण जब पानी सप्लाई की समस्या लेकर पहुंचे तो जल घर पर ताला मिला। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर लिखित शिकायत करेंगे। उनका कहना है कि गंदा पानी पीने से बच्चों और महिलाओं की सेहत पर सीधा असर पड़ रहा है।

जलघर में हो गई थी बिजली की समस्या

विभाग के जेई नरेंद्र पाल ने बताया कि जलघर में लाइट की समस्या आ गई थी। सिहमा जलघर से प्रतिदिन ढाई लाख लीटर पानी को फिल्टर कर स्टोर किया जाता है। गांव में हर जगह शुद्ध पानी पहुंच रहा है। करीब पांच घंटे में जलघर में टंकी को भरा जाता है। प्रतिदिन दो घंटे सुबह पानी को सप्लाई किया जाता है। जलघर में लगे कर्मचारी हमेशा ड्यूटी पर रहते हैं। बिजली नहीं होने के चलते लगे कर्मचारी बिजली समस्या को लेकर बिजली घर गए हुए थे। गांव के सरपंच का फोन उनके पास गया था। वह खुद बिजली घर में गया था। जब वह जलघर में आए तो कर्मचारी वहीं थे।

लिखित में शिकायत मिलने पर करेंगे कार्रवाई

जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ मुकेश का कहना है कि मामला अभी उनके संज्ञान में आया है। गांव के सरपंच हमें लिखित में शिकायत करते है तो गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएंगी।

किसान अटल सेवा कैंटीन पर दस रुपये में कर सकेंगे भरपेट भोजन

- नांगल चौधरी अनाजमंडी में बाजरा बेचने आने वाले किसानों के लिए की तैयारी
- एक अक्टूबर से समर्थन मूल्यों पर शुरू होगी बाजरे की खरीद,
- एक टोकन पर 40 क्विंटल बाजरा बेच सकेंगे किसान,
- गांव वाइज शेड्यूल बनाएगा जिला प्रशासन

नांगल चौधरी। बाजरे की खरीद के लिए निर्धारित टीनशेड। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरकार के निर्देशानुसार कृषि विपणन बोर्ड ने नांगल चौधरी अनाज मंडी में अटल सेवा कैंटीन स्थापित करने का निर्णय लिया है। जिसमें बाजरा बेचने वाले किसानों को टोकन के आधार पर 10 रुपये भुगतान करके भरपेट भोजन करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही मंडी में पेयजल, छांया, स्वच्छता तथा बिजली सप्लाई को दुरुस्त करने की हिदायत विभागीय अधिकारियों को दी गई है। सरकार के निर्धारित रेटों पर किसानों को जमीनी मापदंडानुसार एक टोकन पर अधिकतम 40 क्विंटल बाजरा बेचने की अनुमति रहेगी।

बता दें कि बीते महीने केंद्र सरकार ने रबी सीजन वाली फसलों के एमएसपी तय किए हैं। एक अक्टूबर से प्रदेश की सभी सलेक्टिड मंडियों में बाजरे की खरीद आरंभ करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही जिला उपायुक्त को मंडियों की विजिट करने तथा मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए अधिकृत किया गया है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने विभागीय अधिकारियों को खरीद संबंधी तैयारी करने के दिशा-निर्देश जारी कर दिए। नांगल चौधरी अनाज मंडी में अटल सेवा कैंटीन स्वीकृत की गई है। जिसमें बाजरा बेचने आए किसान 10 रुपये में भरपेट भोजन कर सकेंगे।

कैंटीन के देखरेख और संचालन की जिम्मेदारी मार्केट कमेटी के सचिव को सौंपी गई है। किसानों को अपने मोबाइल में टोकन डाउनलोड करके लाना होगा। जिसका प्रिंट आउट निकालने की सुविधा मंडी के प्रवेश द्वार पर स्थापित कंप्यूटर ब्रांच पर उपलब्ध रहेगी। जिला उपायुक्त ने अधिकारियों को खरीद का शेड्यूल गांव वाइज तैयार करने के निर्देश दिए हैं। तर्क दिया कि एक साथ अधिक किसानों के टोकन जनरेट होने पर खरीद की व्यवस्थाएं प्रभावित हो जाएंगी। खरीदे गए बाजरे का उसी दिन उठान करना अनिवार्य रहेगा, ताकि अगले दिन आने वाले किसानों को ढेरी करने में आसानी बनी रहे। मंडी में स्थानीय किसानों के बाजरे की खरीद की जाएगी, अन्य प्रदेशों की आवक पर जिला प्रशासन पैनी नजर रखेगा। ढेरी पर टोकन होल्डर किसानों की उपस्थिति रिपोर्ट के आधार पर खरीद संभव हो पाएगी।

36 हजार एकड़ रकबे पर खड़ी बाजरे की फसल

नांगल चौधरी मंडी के अंतर्गत विभिन्न गांवों के किसानों ने करीब 36 हजार एकड़ पर बाजरे की फसल बोई थी। अधिकांश किसानों ने लावणी कर ली तथा थ्रेसिंग प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। तीन से चार दिन से मौसम साफ रहने से अच्छी पैदावार होने के आसार है। मार्केट भाव अधिक होने के कारण मंडी में बंपर आवक होने के कयास लगाए जा रहे हैं। पैदावार की रिपोर्ट के अनुसार ही विभाग विभिन्न सविधाओं का प्रबंध कर रहा है।

एक किसान का 40 क्विंटल बाजरा खरीदेगी एजेंसी

मार्केट कमेटी के सचिव आदित्य यादव ने बताया कि बाजरे का एमएसपी रेट 2775 प्रति क्विंटल निर्धारित है। एक एकड़ पर आठ क्विंटल की औसत से एक टोकन पर अधिकतम 40 क्विंटल बाजरा खरीदा जाएगा। किसानों को पोर्टल के लिंक से मोबाइल पर ही टोकन डाउनलोड करना होगा। इसके बाद मंडी के गेट पर प्रिंट निकाला जाएगा और किसान को एंट्री की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर से खरीद आरंभ की जाएगी जिसके लिए आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं।

डीटीपी ने अवैध निर्माण पर चलाया पीला पंजा

- खायरा-रिवासा रोड पर 2 एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जिला नगर योजनाकार की टीम ने बुधवार को शहरी क्षेत्र महेन्द्रगढ़ में खायरा-रिवासा रोड पर लगभग दो एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। राजस्व सम्पदा रिवासा में कुछ लोगों की ओर से लगभग दो एकड़ भूमि में महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा चण्डीगढ़ से बिना लाइसेंस अनुमति लिए अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी व रोड नेटवर्क बिछाए जा रहे थे। जिसे जिला प्रशासन की मदद से तोड़ दिया गया।

दो चारदीवारी, चार डीपीसी व एक अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी कच्चे रास्ते उखाड़ दिए गए। यह पूरी कार्रवाई जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग की अगुवाई में स्टाफ सदस्यों के साथ भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग ने लोगों से कहा है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करे तथा महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा चण्डीगढ़ से लाइसेंस अनुमति लेने उपरान्त ही कृषि भूमि को रिहायशी अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें। इसलिए आमजन से बार-बार यही अपील की जाती है कि किसी भी अवैध कॉलोनी में कोई प्लाट प्रॉपर्टी डीलर्स के बहकावे में आकर न खरीदें और न ही अवैध निर्माण करें। कॉलोनी की वैधता बारे व निर्माण करने से पूर्व नियमानुसार अनुमति लेने बारे जिला नगर योजनाकार कार्यालय नारनौल से किसी भी कार्यदिवस में पता किया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। अवैध निर्माण हटाती जेसीबी मशीन।

भविष्य में जारी रहेगी कार्रवाई

जिला नगर योजनाकार ने बताया कि भविष्य में जिले में अन्य स्थानों पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए पुनः खुला ऑनलाइन पोर्टल

महेंद्रगढ़। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पोर्टल एक बार फिर से खोल दिया गया है। यह निर्णय उन विद्यार्थियों के हित में लिया गया है, जो किसी कारणवश अब तक प्रवेश से वंचित रह गए थे। प्रो. ; पूर्ण प्रभा ने बताया कि यह विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपने मनपसंद कोर्स एवं कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल 19 सितंबर तक खुला रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी इच्छुक विद्यार्थी समय रहते ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण व आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करें। आवेदन करने के बाद विद्यार्थियों को अपने संबंधित महाविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने यह भी बताया कि प्रवेश प्रक्रिया प्रतिदिन के आधार पर की जाएगी। इसलिए विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और जल्द से जल्द आवेदन कर प्रवेश सुनिश्चित करें। अंत में प्रो. पूर्ण प्रभा ने अभिभावकों व विद्यार्थियों से अपील की कि इस अवसर का पूरा लाभ उठाकर अपने शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित करें।

- स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पोर्टल 19 सितंबर तक खुला

कोई दुकानदार नशीला पदार्थ बेचता हुआ पाया तो होगी कार्रवाई

स्कूलों के पास अब नहीं बिकेंगे तंबाकू, गुटखा बीड़ी, सिगरेट, विभाग ने आदेश किए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के आसपास अब तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट सहित अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक रहेंगी। अगर किसी भी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल के आसपास कोई भी दुकानदार तंबाकू, गुटखा, बीड़ी बेचता हुआ पाया गया तो ग्राम पंचायत या नजदीकी पुलिस प्रशासन को सूचना देकर कार्रवाई हो सकती हैं। इस संबंध में विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर नशीले पदार्थ पर रोक लगाने के निर्देश दिए है।

गौरतलब है कि अधिकतर सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के आसपास दुकानदार तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट बेचते है, जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी छोटी उम्र में ही तंबाकू, गुटखा खाले की लत लग जाती हैं। इसी को देखते हुए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने यह आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा कई जगहों पर स्कूलों के परचून की दुकानों में सिगरेट, तंबाकू व बीड़ी की बिक्री होती है, इससे बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ता है। शहर के वार्डों व गांव में स्कूल चल रहे हैं। इन स्कूलों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विभाग ने यह कदम उठाया है।

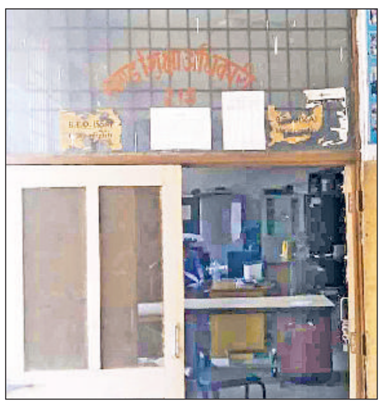

महेंद्रगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय।

पत्र में यह आदेश किए जारी

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जारी पत्र में कहा कि विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू, गुटखा, बीड़ी व सिगरेट जैसी वस्तुओं की बिक्री पर पूरी तरह रोक रहेगी। शिक्षा विभाग की तरफ से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों व मुख्याध्यापकों को लिखित निर्देश दिए गए है कि वे अपने अधीनस्थ विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू, गुटखा व नशीले पदार्थ की बिक्री संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण करे। यदि उपरोक्त किसी भी प्रकार की गतिविधी पाई जाती है, तो संबंधित ग्रांम पंचायत या नजदीकी पुलिस अधिकारी व कर्मचारी को अवगत करवाते हुए नशीले पदार्थ की बिक्री पूर्णत रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

निर्देशों को और सख्ती से किए जाएंगे लागू

खंड शिक्षा अधिकारी अलका ने बताया कि विभाग की ओर से पत्र हुआ है कि विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंम्बाकू, गुटखा व नशीले पदार्थ पर रोक रहेंगी। इन निर्देशों को और सख्ती से लागू किए जाएंगे। इस संबंध में सभी स्कूल मुख्याध्यापकों को इस संदर्भ में पत्र भेजकर निर्देश दिए जा चुके हैं।

अनेक वजहों से आज के दौर में बहुत से लोग कब्ज की समस्या से ग्रस्त रहते हैं। इसके कारणों को जानकर आप कुछ उपायों पर अमल करके इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। इनके बारे में जानिए।

तब कब्ज नहीं करेगा परेशान

ट्रीटमेंट
शिखर चंद जैन

वर्तमान समय में कब्ज की समस्या लोगों में काफी बढ़ गई है। इसके कई कारण हैं। मुख्य रूप से हमारी आधुनिक जीवनशैली, बिगड़ा खान-पान और पर्यावरण में बदलाव इसके लिए जिम्मेदार हैं।

अनहेल्दी डाइट: फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती हुई आदत, फाइबर युक्त भोजन (जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज) की कमी और और कम पोषक तत्वों वाले आहार का अधिक सेवन हमारी आंतों को नुकसान पहुंचाते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने से मल नरम नहीं रहता और पाचन प्रक्रिया प्रभावित होती है। साथ ही अत्यधिक चीनी, वसा और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन का सेवन भी नुकसानदायक है।

बदलती जीवनशैली: शारीरिक गतिविधि की कमी जैसे लंबे समय तक बैठे रहना, व्यायाम न करना आदि से आंतों की गतिशीलता कम होती है। नींद पर्याप्त न लेना भी पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। व्यस्तता या सुविधाओं की कमी के कारण शौच की इच्छा को बार-बार दबाना भी एक बड़ी वजह है।

मानसिक स्वास्थ्य: आधुनिक जीवन का तनाव, चिंता और अवसाद पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। तनाव आंतों की गतिशीलता को कम कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आंत-मस्तिष्क संबंध को प्रभावित करती हैं।

चिकित्सीय कारण: कुछ दवाएं जैसे दर्द निवारक, एंटासिड, एंटी-डिप्रेसेंट और आयरन सप्लीमेंट्स कब्ज का कारण बन सकती हैं। मधुमेह, थायरॉइड और अन्य पुरानी बीमारियां भी पाचन तंत्र को प्रभावित करती हैं।

आयु और हार्मोनल बदलाव: उम्र बढ़ने के साथ आंतों की कार्यक्षमता कम हो सकती है। इसके अलावा गर्भावस्था, मासिक धर्म या रजोनिवृत्ति जैसे हार्मोनल बदलाव भी कब्ज को बढ़ा सकते हैं।

समाधान के उपाय: कब्ज से बचाव के कई उपाय हैं।

चोकरयुक्त आटा: डायबिटिक डाइटीशियन एवं न्यूट्रिशनिस्ट्स कहते हैं कि यदि 3 मुट्ठी आटे में एक मुट्ठी चोकर डालकर गूंधा जाए तो इस आटे से बनी चपाती अधिक संतुष्टि देती है। चोकरयुक्त आटे का इस्तेमाल किया जाए, तो रोटियां पौष्टिकता देने के साथ-साथ वजन भी कम करेंगी और पेट भी साफ रहेगा।

ओट्स: ओट्स में मौजूद घुलनशील डाइटरी फाइबर पाचन क्रिया को सुचारु रखता है, जिससे भोजन आसानी से पच जाता है। इससे कब्ज की शिकायत नहीं रहती। यदि नाश्ते में सुबह केवल ओट्स लेते हैं, तो साथ में सूखे फल और ताजा मौसमी फल जैसे सेब, नाशपाती, आम, स्ट्राबेरी, केला, ब्लूबेरी इत्यादि अवश्य लें। ऐसा करना पौष्टिकता देने के साथ पेट भी साफ रखेगा।

कुदरती उपचार: सुबह उठते ही सीधे लेट जाएं, फिर एक तौलिया ठंडे पानी में भिगोकर पेट पर रखें। उसके ऊपर गरम शॉल लपेट लें। 10 मिनट के बाद ठंडा तौलिया हटाकर उस के स्थान पर गरम पानी में भीगा निचोड़ा हुआ तौलिया पेट पर रख कर उस के ऊपर शॉल लपेट कर 10-15 मिनट लेटें। शुरू-शुरू में यह प्रक्रिया हो सके तो 2-3 बार करें। आप देखेंगे बहुत जल्द ही आप के बॉवेल सिंड्रोम और बॉवेल मूवमेंट में फर्क पड़ेगा। सर्द-गरम पेट पर पट्टी लगाने और हल्की-फुल्की कसरत से भी लाभ होगा।

ये भी आजमाएं

- फाइबरयुक्त आहार (जैसे हरी सब्जियां, फल, ओट्स, चिया सीड्स) का सेवन बढ़ाने से लाभ होगा।
- रोजाना 2-3 लीटर पानी पिएं।
- नियमित किसी भी तरह का व्यायाम करें, जैसे योग या तेज चलना।
- तनाव प्रबंधन के लिए ध्यान, योग या गहरी सांस लेने की तकनीक अपनाएं।
- शौच की इच्छा को नजरअंदाज न करें और नियमित समय पर शौच जाएं।
- आवश्यक हो तो चिकित्सक से सलाह लें, विशेष रूप से यदि कब्ज पुराना हो। *

(आयुर्वेद-यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. राजन शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ.(प्रोफेसर) विनय गोयल
चेयरमैन-न्यूरोलॉजी
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

डब्ल्यूएचओ के अनुसार साढ़े पांच करोड़ से अधिक लोग दुनिया भर में डिमेंशिया (जिसका एक प्रमुख प्रकार अल्जाइमर डिजीज (संक्षेप में ए.डी. है) से पीड़ित हैं। डिमेंशिया के लगभग 60 फीसदी मामले अल्जाइमर से ही संबंधित होते हैं।

क्या है अल्जाइमर

जर्मनी के प्रख्यात मनोचिकित्सक एलोइस अल्जाइमर ने अल्जाइर रोग की पहचान की थी। इसलिए उन्हीं के नाम पर इस मर्ज का नाम अल्जाइमर पड़ा, जिसे अंग्रेजी भाषा में 'अल्जाइमर्स डिजीज' या ए.डी. कहा जाता है। एलोइस अल्जाइमर ने कहा था कि जब युवावस्था की दोपहर के बाद जिंदगी की शाम होती है, तब यादें ही हमारा सहारा होती है। मन दुखद यादों को भूलना चाहता है और सुखद यादों में डूबना चाहता है। उम्र बढ़ने के साथ यादें हमारी साथी बन जाती हैं, लेकिन क्या होगा अगर याद्दाश्त खुद ही फीकी पड़ने लगे और खो जाए? अल्जाइमर रोग में यही होता है।

समय रहते हो जाएं सचेत

डिमेंशिया (मनोभ्रंश) का एक प्रमुख प्रकार है- अल्जाइमर। डिमेंशिया मस्तिष्क संबंधी विकारों का एक समूह है, जिसमें व्यक्ति की याद्दाश्त, सोच, भाषा और उसका कौशल क्षीण होने लगता है और उसके व्यक्तित्व एवं व्यवहार में नकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। डिमेंशिया के लगभग 60 फीसदी मामले अल्जाइमर से संबंधित होते हैं। गौरतलब है कि अल्जाइमर की समस्या रातों-रात नहीं होती। कई सालों के बाद यह रोग गंभीर रूप धारण करता है। समय रहते इस रोग का पता चलने पर पीड़ित व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा (लाइफ एक्सपेक्टेंसी) 8-10 साल से अधिक हो सकती है, हालांकि इसके अपवाद भी संभव हैं।

रोग के कारण

बढ़ती उम्र यानी वृद्धावस्था (आमतौर पर 60 साल से अधिक) में मस्तिष्क की कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) के मृत होने और इनमें असामान्य रूप से प्रोटीन के संचित होने को अल्जाइमर का कारण माना जाता है, लेकिन इस रोग के कारणों पर अभी तक शोध-अध्ययन जारी हैं।

ये हैं प्रमुख लक्षण

- चंद दिनों पहले घटी घटना भी भूल जाना।
- हाल में ही संपर्क में आए लोगों के नामों को भी भूल जाना।
- समय और स्थान के बारे में असमंजस होना।
- अत्यंत गंभीर स्थिति में मरीज अपने परिजनों तक को नहीं पहचानता या फिर उनका नाम भूल जाता है।
- बोलते समय सही शब्द का चयन और उच्चारण करने में दिक्कत।
- नित्य क्रिया और दैनिक कार्य करने में कठिनाई जैसे कमीज के बटन बंद करने में दिक्कत महसूस करना आदि।
- लोगों का चेहरा पहचानने में परेशानी।
- पीड़ित व्यक्ति के व्यक्तित्व में नकारात्मक परिवर्तन होना।
- अल्जाइमर रोगी अकसर समाज से अलग-थलग पड़ जाते हैं। इस कारण ये अवसाद से ग्रस्त हो सकते हैं। क्रोध और चिड़चिड़ापन इनके स्वभाव का अंग बन जाता है।
- आमतौर पर अल्जाइमर के लक्षण इस बीमारी की अवस्था (स्टेज) पर निर्भर करते हैं। जैसे बीमारी के शुरुआती दौर में व्यक्ति नाम या स्थान को कुछ सेकेंड या मिनट के लिए भूल सकता है, लेकिन बीमारी की तीसरी अवस्था या स्टेज में व्यक्ति अपने घर वालों का नाम भी भूल सकता है।

स्पेशल: वर्ल्ड अल्जाइमर-डे, 21 सितंबर

ओल्ड एज में न्यूरॉन्स के डैमेज होने और अन्य कुछ कारणों से व्यक्ति अल्जाइमर की गिरफ्त में आ सकता है। इससे उसकी मेमोरी पावर वीक होने लगती है और कई तरह की मेंटल प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इससे पेशेंट को नॉर्मल लाइफ जीने में परेशानी होती है। लेकिन अगर शुरुआती लक्षणों के साथ ही कुछ बातों को लेकर सावधानी बरती जाए तो इसके प्रभाव को काफी कम किया जा सकता है। इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

अल्जाइमर जब ओल्ड एज में मेमोरी पावर होने लगती है वीक

एजिंग प्रोसेस नहीं है अल्जाइमर

उम्र बढ़ने (आमतौर पर 60 साल के बाद) के साथ मस्तिष्क और शरीर की कार्यक्षमता निरंतर कम होती जाती है, जिसे एजिंग प्रोसेस कहा जाता है। इस दौरान व्यक्ति की याददाश्त कम होने लगती है, लेकिन उसे बोलते समय सही शब्द का चयन करने और दैनिक कार्यों को अंजाम देने में दिक्कत महसूस नहीं होती, जबकि अल्जाइमर की समस्या में उपरोक्त लक्षण सामने आते हैं।

डायग्नोसिस के तरीके

न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा सबसे पहले मरीज का क्लीनिक में शारीरिक और मानसिक परीक्षण (जिसमें स्मृति परीक्षण भी शामिल है) किया जाता है। इसके अलावा मस्तिष्क में स्मृति से संबंधित कौन सा भाग कितना विकारग्रस्त है, यह जानने के लिए सीटी स्कैन या एमआरआई या पीईटी स्कैन नामक परीक्षण कराए जाते हैं। कुछ मामलों में ईईजी टेस्ट भी कराते हैं।

इलाज के बारे में

अल्जाइमर्स का कोई स्थाई इलाज नहीं है। अतीत में 'अमेरिकन ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' अल्जाइमर्स से संबंधित एक दवा को अनुमति प्रदान कर चुका है, जिसके क्लीनिकल ट्रायल जारी हैं। इस मर्ज में सिर्फ लक्षणों को कम करने के लिए कुछ विधियां और उपचार उपलब्ध हैं।

- अवसाद (डिप्रेशन) और मरीज की घबराहट को नियंत्रित करने के लिए दवाएं दी जाती हैं।
- उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर इसे नियंत्रित करने वाली दवाएं देते हैं।
- शारीरिक और मानसिक गतिविधियां रोगी की प्रतिदिन की गतिविधियों में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जैसे योगासन, प्राणायाम शारीरिक फिटनेस को बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।
- कुछ मानसिक अभ्यास जैसे सुडोकू, क्रॉसवर्ड, पहेली आदि मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखने में सहायक हैं।
- कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नई भाषाएं सीखने से मस्तिष्क का अच्छा अभ्यास होता है और सीखने की इस प्रवृत्ति से अल्जाइमर्स की रोकथाम में मदद मिलती है।

फैमिली सपोर्ट है इंपॉर्टेंट

अल्जाइमर न केवल रोगी को बल्कि उसके परिवार को भी प्रभावित करता है। इसलिए परिवार के सदस्य पीड़ित व्यक्ति के लिए वक्त निकालें,

उनसे बात करें और उनके साथ टहलें ताकि उनके तनाव को दूर करने में मदद मिले। डॉक्टर, दोस्त और पड़ोसी के रूप में हम मरीज की मदद कर सकते हैं।

इन्हें है अल्जाइमर का अधिक रिस्क

- 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अल्जाइमर का जोखिम सर्वाधिक होता है।
- जिन लोगों के परिवार के किसी सदस्य को अतीत में अल्जाइमर की समस्या रही है, उनमें इस रोग के होने का जोखिम ज्यादा होता है।
- किसी व्यक्ति के शरीर में कुछ जींस ऐसे होते हैं, जो अल्जाइमर रोग के खतरे को बढ़ा देते हैं।
- जिन लोगों के मस्तिष्क में किसी दुर्घटना से गंभीर आघात लगा है या किन्ही कारणों से गंभीर चोट लगी है और ऐसे लोग दुर्घटना के बाद देर तक बेहोश रहे हैं, उनमें कालांतर में अल्जाइमर होने का जोखिम बढ़ जाता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

पोषक तत्वों का सेवन लाभकारी

अल्जाइमर की रोकथाम या इस मर्ज की प्रक्रिया को धीमा करने में संतुलित और पौष्टिक खान-पान का भी महत्व होता है। इसके अलावा जो लोग अल्जाइमर से ग्रस्त हो चुके हैं, उन्हें और उनके परिजनों को भी मरीज के संदर्भ में संतुलित और पौष्टिक खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। पौष्टिक और संतुलित आहार मस्तिष्क और इसकी कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) के क्रियाकलाप को सही तरीके से संचालित करने में मदद करता है। जैसे अखरोट के सेवन से याददाश्त को बरकरार रखने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो मस्तिष्क के क्रियाकलापों को सुचारु रूप से संचालित करने में मदद करता है।
अखरोट के अलावा विटामिन बी 12 (जो मौसमी फलों, हरी सब्जियों और ड्राई फ्रूट्स में पाया जाता है), मछली, कीवी, अनार और विभिन्न रूपों में हल्दी का सेवन कमजोर होती याददाश्त को रोकने में सहायक हैं। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व पाया जाता है, जो याददाश्त को सशक्त बनाने में सहायक है।

सीजनल डिजीज

डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजीशियन
सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

इन दिनों कई इलाकों में वायरल फीवर से बड़ी संख्या में लोग बीमार हो रहे हैं। एच3एन2 इंफ्लूएंजा-ए के नए वेरिएंट की वजह से होने वाले वायरल फीवर से पेशेंट लंबे समय तक ग्रस्त रह सकता है। इसके कारण, लक्षणों के साथ यहां विस्तार से बचाव के बारे में भी बता रहे हैं।

वायरल फीवर कर रहा है लंबे समय तक बीमार

इन दिनों कई इलाकों में वायरल फीवर के मामले बहुतायत में देखने को मिल रहे हैं। इसकी बड़ी वजह बारिश का दूसरे साल से अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होना और जगह-जगह जल-जमाव होना मानी जा रही है। बरसात के बाद के मॉयश्चरयुक्त आबोहवा में वायरस, बैक्टीरिया और मच्छर तेजी से मल्टीप्लाई करते हैं और उनके नए वेरिएंट्स भी पैदा होते हैं, जिनकी वजह से कई तरह के बुखार और बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है- आजकल फैला वायरल फीवर। इस बार का वायरल फीवर एच3एन2 इंफ्लूएंजा-ए के नए वेरिएंट की वजह से फैल रहा है। इसकी पुष्टि मेडिकल साइंस मे बायोफार्मा टेस्ट से हुई है।

वायरस के नए वेरिएंट के लक्षण हैं ज्यादा गंभीर

यूं तो वायरल फीवर हर साल बदलते मौसम में फैलता है, जिसमें मरीज आमतौर पर 3 से 5 दिन में ठीक हो जाते थे। लेकिन एच3एन2 इंफ्लूएंजा-ए के नए वेरिएंट से पीड़ित कई मरीजों का बुखार पैरासिटामॉल या क्रोसिन जैसी दवाइयों से काबू नहीं हो पा रहा है। बुखार जल्दी नहीं उतरता, उतरने के कुछ समय बाद दुबारा आ जाता है। बुखार उतरने में 10-12 दिन लग रहे हैं। कुछ मामलों में तो यह बुखार 3 सप्ताह तक बना रहता है। ऐसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ रही है। यही नहीं कई मरीज ऐसे भी हैं, जिन्हें ठीक होने के बाद भी लगातार खांसी, कमजोरी और भूख न लगने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए कुछ डॉक्टरों ने तो इस वायरल फीवर को क्रोसिन फेल फीवर का नाम दे दिया है।

कैसे फैलता है यह वायरस

इंफ्लूएंजा एच3एन2 वायरस, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति में फैलता है। संक्रमित मरीज जब छींकता या खांसता है, तो ड्रॉपलेट एक मीटर के दायरे तक फैल जाते हैं और आस-पास मौजूद व्यक्ति के सांस लेने पर ड्रॉपलेट उसके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। या फिर संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने पर वायरसयुक्त ड्रॉपलेट किसी सतह या किसी चीज पर गिरते हैं, जिसे स्वस्थ व्यक्ति के छूने पर हाथ में ट्रांसफर हो जाते हैं और आंख-नाक-मुंह के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे में परिवार में एक से दूसरा व्यक्ति इसकी चपेट में आ रहे हैं।

क्या होते हैं लक्षण

संक्रमित व्यक्ति को तेज बुखार आता है। इसके साथ ही सिर दर्द, पूरे बदन का टूटना और दर्द होना, जबड़ों-गर्दन-कमर-जोड़ों में दर्द होना, उल्टी आना, खांसी-जुकाम होना, गले में खराश, बलगम, नाक बंद होना, सांस लेने में कठिनाई होना, भूख कम होना, पेट दर्द, डायरिया या लूज मोशन होना, बहुत ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होना जैसी समस्याएं हो रही हैं।

किन्हें है ज्यादा रिस्क

कमजोर इम्यूनिटी वाले छोटे बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं इस वायरस की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। इम्यूनो कॉम्प्रोमाइज लोग यानी टीबी, अस्थमा या पहले फेफड़ों में इंफेक्शन, किडनी, कार्डिएक डिजीज जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है।

उपचार के तरीके

डॉक्टर मरीज को ऑब्जर्व करके, पूरा एगजामिनेशन करके और एच3एन2 का बायोफार्मा टेस्ट करवाते हैं। इसके साथ एहतियातन टाइफायड, डेंगू, मलेरिया का टेस्ट भी कर सकते हैं। बुखार के लिए पैरासिटामोल, विटामिन सी देते हैं। कुछ लोगों को एंटीबायोटिक दवाइयां भी देने की जरूरत पड़ती है ताकि आगे जाकर सेकेंड इंफेक्शन न हो। मरीज को पूरा आराम करने, बलगम ज्यादा होने पर स्टीम लेने, शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी भरपूर मात्रा में पीने और लिक्विड डाइट लेने की सलाह दी जाती है।

कब करें डॉक्टर से कंसल्ट

अगर बुखार 3 दिन से ज्यादा बना हुआ है और पैरासिटामोल लेने के बाद भी काबू में नहीं आ रहा तो यह साधारण वायरल फीवर नहीं है, तब देर न करें, तुरंत डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

कैसे करें बचाव

- अपनी इम्यूनिटी मजबूत करने पर पूरा ध्यान दें। स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।
- घर का बना ताजा, गर्म, पौष्टिक और संतुलित खाना खाएं। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए मौसमी और ताजी फल-सब्जियों का सेवन करें। अदरक, लहसुन जैसी चीजों को अपने आहार में जरूर शामिल करें। खट्टे फल, फ्रिज में रखा ठंडा जूस, कोल्ड ड्रिंक्स, आइसक्रीम से परहेज करें। खटाई, दही जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन कम से कम करें।
- शरीर को हाइड्रेट रखें। ज्यादा से ज्यादा पानी और लिक्विड डाइट का सेवन करें। यथासंभव गुनगुना पानी पिएं।
- बरसात में भीगने की स्थिति में गर्म पानी से जरूर नहाएं। सिर और बाल अच्छी तरह धोकर सुखाएं। चाय-कॉफी-कहवा जैसे गर्म पेय लें। केसर वाला दूध या चाय पीने से आराम मिलता है।

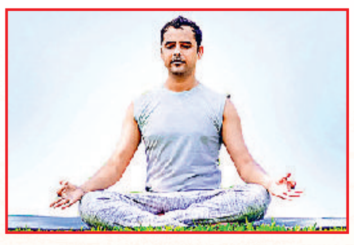

- रेगुलर वर्कआउट, व्यायाम, शुद्ध-साफ हवा में सांस लें, योग करें।
- बदलते मौसम में फ्लू से बचने के लिए न्यूमोकोकल इंफ्लूएंजा वैक्सीन हर साल जरूर लगवाएं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए जरूरी है।
- फ्लू होने पर अपने आपको आइसोलेट करें ताकि दूसरे लोग संक्रमित न हो पाएं। जितना जल्दी हो सके, डॉक्टर से कंसल्ट करें। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाइयां न लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

सजेशन
निकिता चौहान

कुछ युवा पुरुष मस्कुलर बॉडी की चाहत में बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए प्रोटीन की ओवरडोज लेने लगते हैं। इससे क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचाव के लिए क्या करें, आपको जरूर जानना चाहिए।

सही मात्रा में करें प्रोटीन का सेवन

एक हेल्दी शरीर के लिए हमें प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट और विटामिंस सभी पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। सभी न्यूट्रिएंट की एक निश्चित मात्रा में जरूरत होती है। प्रोटीन एक इंपॉर्टेंट न्यूट्रिएंट है, जो टिश्यू के निर्माण और रिपेयर, एंजाइम और हार्मोन को बनाने और शरीर के लिए कई तरह के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन कई पुरुष अपनी मस्कुलर बॉडी बनाने के लिए अपनी डाइट में प्रोटीन को बहुत ज्यादा मात्रा में लेने लगते हैं। किसी भी चीज का ज्यादा सेवन शरीर पर कई दुष्प्रभाव डाल सकता है। खासतौर पर पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर इसका बहुत बुरा असर पड़ता है और लंबे समय तक ज्यादा प्रोटीन लेने से शुक्राणुओं (स्पर्म) की संख्या कम हो सकती है। इसलिए इस बारे में सावधान रहें।

किडनी पर पड़ता है दबाव: प्रोटीन से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, इम्यूनिटी बढ़ती है और कसरत करने के बाद रिकवरी होती है। लेकिन जब यह बहुत ज्यादा लिया जाता है, खासकर पावडर या प्रोसेस्ड सोर्स के रूप में तो किडनी पर दबाव पड़ता है, हार्मोन बिगड़ सकते हैं और शुक्राणु बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है।

डाइजेस्टिव सिस्टम होता है खराब: प्रोटीन का ज्यादा सेवन करने से पाचन सबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। आप प्रोटीन को फाइबर के साथ लें, इससे आपका पाचन बेहतर होगा और साथ ही इससे स्पर्म काउंट बढ़ता है। फाइबर स्वस्थ पाचन के लिए आवश्यक होता है।

हाईड्रेट रहें: ज्यादा प्रोटीन का सेवन करने से डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि खूब पानी पिएं। जितना हो सके तरल पदार्थ अपनी डाइट में शामिल करें।

ऐसे करें प्रोटीन का सेवन: अगर आप प्रोटीन के फायदों को बिना किसी दुष्प्रभाव के प्राप्त करना चाहते हैं तो आप ध्यान रखें कि अपने डाइट में प्रोटीन का सेवन कुछ इस तरीके से करें कि प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व बैलेंस्ड रहें। भरपूर मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन करें। इनमें विटामिन, खनिज और फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। आप सप्लीमेंट्स के बजाय फलों, सब्जियों, अनाज, अंडे, मछली, दालें और मेवों से प्रोटीन ले सकते हैं। जितना हो सके उतना फिजिकल वर्कआउट करें। अगर आप रेडीमेड प्रोटीन पावडर का इस्तेमाल करते हैं तो ध्यान रखें उसमें बहुत ज्यादा शुगर होता है, जिस कारण आपके स्पर्म काउंट कम हो सकते हैं और प्रजनन क्षमता भी घटती है। इसलिए बगैर डॉक्टर से पूछे प्रोटीन सप्लीमेंट का सेवन ना करें। नेचुरल तरीकों से ही प्रोटीन का सेवन करें। अपने लिए प्रोटीन की सही मात्रा जानने के लिए एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। *

(गुरुग्राम स्थित नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी की फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. रश्मि अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

नपा प्रशासन नगर को चकाचक करने में जुटा

कनीना। नगर को चकाचक करने के लिए नगरपालिका प्रशासन जुटा हुआ है। उनकी ओर से सभी 14 वार्डों में समान रूप से स्वच्छता संबंधी कार्य जारी हैं। नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने बताया कि कस्बे को साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए सामूहिक रूप से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बुधवार को रेवाडी रोड की ओर होली वाला जोहड के समीप तथा नगर के मुख्य सर्किल पर सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने आमजन को सफाई कर अलग-अलग रंग के डस्टबिन इस्तेमाल करने के लिए भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बीते 24 अगस्त से शुरू किया गया स्वच्छता अभियान 25 नवंबर तक जारी रहेगा।

आईटीआई में रक्तदान शिविर का आयोजन

नारनौल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा, स्वच्छता और समर्पण का पर्व सेवा पखवाड़ा के तहत बुधवार जिला रेड क्रॉस समिति की ओर से आईटीआई में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक ओम प्रकाश यादव, विधायक कंवर सिंह यादव, हरियाणा रेडक्रॉस समिति के महासचिव महेश जोशी, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, भाजपा जिला प्रधान यतेंद्र राव, भाजपा महिला जिला अध्यक्ष भारती सैनी, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद थी।

धूमधाम से मनाया जाएगा 22वां दुर्गा पूजा महोत्सव

नारनौल। टाइगर क्लब परिवार की ओर से इस वर्ष 22वां विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव बड़ी धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। क्लब के प्रधान राकेश यादव ने बताया कि महोत्सव एक अक्तूबर को नवमी नवरात्र पर आयोजित होगा, जिसमें माता रानी के संपूर्ण भंडारे प्रसाद का संयोजन किया गया है। अजय यादव (सोनू), एमडी भगवती फीड्स इस भंडारे के मुख्य संयोजक रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर लगभग दस से बारह हजार भक्तों के प्रसाद की व्यवस्था उनकी ओर से की जा रही है।

राजकीय कॉलेज में विश्व ओजोन दिवस मनाया

ओजोन परत के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में इको एवं पर्यावरण क्लब की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा, क्लब प्रभारी प्रो. जितेन्द्र कुमार वशिष्ठ, सह प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार ने पर्यावरण शपथ के साथ किया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी तथा भाषण प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया और ओजोन परत के संरक्षण हेतु समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। विशेष रूप से केमिस्ट्री, लाइफ साइंस तथा अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पेन देकर सम्मानित भी किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कोमल, गरिमा, दिव्या सहित अनेक छात्रों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इको क्लब प्रभारी प्रो. जितेन्द्र कुमार वशिष्ठ ने विश्व ओजोन दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 16 सितंबर 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए थे। जिसका उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों के उपयोग को सीमित करना था। उन्होंने ओजोन परत के क्षरण का मुख्य कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन, हेलोन्स, कार्बन टेट्राक्लोराइड जैसे रसायनों को बताया, जो एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और एरोसोल में पाए जाते हैं। छात्रों से पर्यावरण हितैषी व्यवहार अपनाने की अपील की। सहप्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार ने वैज्ञानिक पहलुओं को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि ओजोन परत पृथ्वी से लगभग 15 से 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यह सूर्य की पराबैंगनी किरणों से जीवन की रक्षा करती है।

ओजोन परत में छेद बढ़ने से त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद और फसल उत्पादन में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक प्रयासों से ओजोन परत धीरे-धीरे पुनः स्वस्थ हो रही है, जो मानव प्रयासों की सफलता का संकेत है।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को ओजोन परत के बारे में जानकारी देते हुए।

परत न होती तो जीवन संकट में पड़ सकता था

प्राचार्या पूर्ण प्रभा ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी को सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि यदि यह परत न होती तो पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता था। डॉ. प्रभा ने छात्रों से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी समझते हुए ओजोन परत के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी छोटी-छोटी आदतें जैसे एयर कंडीशनर का सीमित उपयोग, क्लोरोफ्लोरोकार्बन मुक्त उत्पादों का प्रयोग और पौधारोपण पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

ओजोन बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारे लगाए

कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने ओजोन बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. अश्विनी कुमार ने किया। इस मौके पर प्रो. जितेंद्र कुमार वशिष्ठ, प्रो. विकास, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. अनूप कुमारी, डॉ. अरुण भारत, डॉ. अंजु कुमारी, डॉ. अशोक कुमार, दीपक कुमार, प्रद्युमन, विजयपाल, गजानंद, धर्मेंद्र आदि मौजूद थे।

नारनौल। यदुवंशी कॉलेज के मेधावी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आईजीयूके परीक्षा परिणाम घोषित यदुवंशी कॉलेज के परीक्षार्थी छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आईज़ीयू के परीक्षा परिणाम में यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा पुजा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पाया है। हाल ही में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालयए मीरपुर के द्वारा प्राणी विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। हर बार की तरह इस बार भी यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया।

कॉलेज की छात्रा पुजा पुत्री दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान व प्रीति पुत्री समशेर सिंह ने सातवां स्थान हासिल किया। भौतिकी विज्ञान मे भारती यादव पुत्री शिवकुमार ने प्रथम स्थान व भावना पुत्री कर्ण सिंह ने पाचवां स्थान प्राप्त किया।

वही अर्थशास्त्र विभाग में तनु पुत्री विक्रम ने दूसरा स्थान, जानवी सोनी पुत्री धर्मेन्द्र कुमार सोनी ने तीसरा स्थान, प्रीति यादव पुत्री राम प्रसाद यादव ने पांचवां व अन्नु पुत्री सुभाष ने छठा स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में वाणिज्य विभाग में वर्षा रानी पुत्री मूलचंद ने पाचवां, अंकिता पुत्री सुमेर सिंह ने सातवां स्थान व नेहा सैनी पुत्री मदन लाल ने दसवां प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों का परिणाम भी बहुत ही सराहनीय रहा। इसी उपलक्ष्य में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी व सभी अध्यापकों की सराहना की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डा. प्रदीप यादव, प्राचार्य बजरंग लाल, उप-प्राचार्या डा. सोनल यादव व सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे व सभी ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया।

विश्वभर में छाए नरेंद्र मोदी: भारती सैनी

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा कार्यों में जुटीं भारती सैनी

- रक्तदान, कन्या सेवा और गौसेवा से दिया समाज को संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन एवं भाजपा जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती सैनी ने बुधवार को दिनभर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर "सेवा ही संगठन का संदेश दिया। उन्होंने सबसे पहले आईटीआई परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंची और उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया तथा युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ी कोई सेवा नहीं है। जरूरत पड़ने पर यह दान किसी की जान बचाता है और युवा पीढ़ी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इसके बाद भारती सैनी शहर के मोहल्ला खड़खड़ी स्थित कन्या अंध विद्यालय पहुंचीं। उन्होंने कन्याओं को भोजन कराकर उनके साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि बच्चियां हमारे समाज का भविष्य हैं, उन्हें समान अवसर व सम्मान मिलना जरूरी है। विद्यालय प्रशासन ने भी उनके आगमन पर आभार व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने निजामपुर रोड स्थित अनाथ गोशाला में सवामणी लगाकर गोसेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गाय हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है, और गौसेवा से हमें सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। भारती सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन पूरे देश में सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सेवा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाया है। आज पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान, पौक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और समाज सेवा जैसे कार्यों के माध्यम से इस दिन को खास बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचे तथा अपने परिश्रम, दूरदर्शिता व मजबूत नेतृत्व से भारत को नई दिशा दी है। स्वच्छ भारत अभियान, जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों से उन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन को छुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोदी ने भारत की छवि को सशक्त बनाया है।

नारनौल। अनाथ गोशाला में गो सवामणी लगाती भारती सैनी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कुसुम, जिला सचिव महिला मोर्चा निर्मल, जिला उपाध्यक्ष माया सैनी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रितु शर्मा, सुमन यादव, शशि, पूर्व पार्षद बाला शर्मा, ममता शर्मा व जिला सचिव रेखा सिंघल आदि मौजूद थी।

पीएम मोदी के जन्मोत्सव पर गोशाला में लगाई सवामणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव की अगुवाई में बाबा मुकंददास गौशाला में सवामणी का आयोजन किया। प्रांगण में पीपल का पेड़ लगाकर दीर्घायु की मन्नतें मांगी, इसके बाद स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वस्थ्य भारत निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व मंच पर देश का सम्मान बढ़ा है। उनके प्रयासों से लोगों का स्वदेशी उत्पादों की तरफ रूझान बढ़ा ह जिससे युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ने लगे हैं। जम्मू-कश्मीर में 370 एक्ट को खत्म करके राष्ट्र एकता को मजबूत करने का काम किया है। श्रीराम मंदिर का निर्माण करवाकर उन्होंने करीब 500 साल पुराने विवाद को खत्म कर दिया तथा भारतीय आस्था का सम्मान बढ़ाया है। पीएम के 76 वें जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने सुबह गौशाला में हवन का आयोजन किया, इसके बाद गायों को पौष्टिक आहार खिलाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का पौधों से विशेष लगाव है इसलिए कार्यकर्ताओं ने प्रांगण में 76 पेड़ लगाकर दीर्घायू की मन्नतें मांगी हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता रमेंश तंवर, ओमप्रकाश रावत, विजय शर्मा, लखीराम एडवोकेट, बस्तीराम चौधरी, हरिसिंह शास्त्री, अशोक शर्मा, महेंद्र सेठ, सुरेश पांडे, पूर्व नपा पार्षद राजेश अग्रवाल, सुभाष शर्मा, दानसिंह सैनी आदि मौजूद थे।

नांगल चौधरी। पीएम के जन्मोत्सव पर गोशाला में सवामणी करते हुए भाजपा नेता दयाराम यादव। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर वितरित किए लड्डू

नारनौल। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर वितरित करते पार्षद सिकंदर कुमार। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा प्रदेश आईटी सहप्रमुख और नगर पार्षद सिकंदर कुमार के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के साथ लड्डु और फल वितरण करके मनाया गया। सिकन्दर कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया तथा वैश्विक पटल पर भारत के गौरव को बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने देश के पहले गांव से लेकर और अंतिम घर तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा कर, उनका जीवन सरल बनाया। इस मौके पर योगेश गोयल, मुकेश शर्मा, धीरज सैनी, रघुवीर सिंह व योगेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आरपीएस की छात्रा प्राची ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा प्राची ने सीबीएसई नेशनल एथलेटिक्स मीट-2025 में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय और पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। वाराणसी में नौ से 14 सितंबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अंडर-19 गर्ल्स ट्रिपल जंप इवेंट में प्राची ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

प्राची की इस ऐतिहासिक जीत पर आरपीएस ग्रुप के सभी शीर्ष पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, और डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने प्राची को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज उनके विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भी बेहत प्रदर्शन करते हुए जिले व प्रदेश का नाम देश में रोशन कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने भी कहा कि प्राची ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

खेल विभाग के एचओडी राजकुमार ने बताया कि प्राची ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने प्राची के कोच संदीप को भी उनकी शानदार कोचिंग और मार्गदर्शन के लिए बधाई दी। यह पदक न केवल प्राची की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह आरपीएस विद्यालय में खेल के प्रति दिए जा रहे प्रोत्साहन और उत्कृष्ट प्रशिक्षण का भी प्रमाण है। प्राची की यह जीत अन्य छात्रों को भी खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। प्राची की इस सफलता से पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने चाहिए। प्राची ने एक बार फिर साबित कर दिया है।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चे को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हैड देवेन्द्र पुनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनिता अहलावत सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने प्राची को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

नारनौल। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल से चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी लेते डीसी ।

रोजगार मेले में 109 छात्रों का किया चयन

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार की मौजूदगी में बुधवार को राजकीय आईटीआई (ब्वाय) में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर विधायक ओम प्रकाश यादव, विधायक कंवर सिंह यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव भी मौजूद थे। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल से चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मौके पर ही चयन कर छात्रों को बताएं। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि रोजगार मेले में 109 छात्रों का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के रोजगार मेले का आयोजन कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के दिशा-निर्देशों के अनुसार समय-समय पर किया जाता रहता है। रोजगार मेले में नागाटा ऑटो इंजीनियरिंग कंपनी, जेबीएम फरीदाबाद, बंसल स्टील एंड पॉवर झज्जर कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों का साक्षात्कार के आधार पर चयन किया। जेबीएम फरीदाबाद ने 31 छात्रों को ऑन द स्पॉट ऑफर लेटर वितरित किए। प्लेसमेंट ऑफिसर सुदर्शन कुमार ने बताया कि सभी चयनित छात्रों को इस सप्ताह में ही जॉइन करवा दिया जाएगा। प्रधानाचार्य ने सभी चयनित छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूरज कॉलेज की साक्षी विश्वविद्यालय में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

साक्षी

प्रिया

रविना

शबनम

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से एमएससी ज्योग्राफी द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सूरज कॉलेज की छात्रा साक्षी पुत्री भूपेन्द्र सिंह ने 9.27 एसजीपीए लेकर पुरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा प्रिया पुत्री अभय सिंह व रविना कुमारी पुत्री तेजपाल सिंह ने 8.80 एसजीपीए लेकर कॉलेज में द्वितीय व आरती पुत्री कैलाश कुमार ने 8.67 एसजीपीए लेकर कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने बताया कि छात्रा मीनाक्षी पुत्री मुकेश कुमार ने 8.27 एसजीपीए, प्रिया पुत्री सुखपाल ने 8.20 एसजीपीए प्राप्त किया। वहीं एमएससी फिजिक्स द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मीनू पुत्री बलवान व शबनम पुत्री मोबिन खान ने 9.00 एसजीपीए लेकर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुस्कान पुत्री नरेन्द्र यादव ने 8.93 एसजीपीए लेकर कॉलेज द्वितीय व सोनिका पुत्री सत्यवीर ने 8.73 एसजीपीए लेकर कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

मीनू

जिलास्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शिक्षा विभाग व हरियाणा एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में डाइट में जिला स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियों के खाते में 35,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। प्रतियोगिता में पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी के 11वीं कक्षा की छात्रा अनीत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा को 12 हजार रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पोता के 11वीं कक्षा के छात्र गणेश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गणेश को दस हजार रुपये वितरित किए जाएंगे। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ के नौवीं कक्षा के छात्र अमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अमन को आठ हजार रुपये वितरित किए जाएंगे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निजामपुर के बारहवीं कक्षा के कन्हैया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। छात्र कन्हैया को पांच हजार रुपये वितरित किए जाएंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन के मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरणीय समस्याओं के लिए नवीन समाधानों को प्रोत्साहित करना, विद्यार्थियों के वैज्ञानिक और आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करना हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा और नवीन परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करवाना है।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी में केंद्रीय विश्वविद्यालय पाली के पोषण जीव विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश, पर्यावरण अध्ययन विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता सिंह, सहायक प्रोफेसर विजय यादव ने निर्णायक मंडल की भुमिका निभाई। जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, खंड शिक्षा अधिकारी अलका व खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज ने पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने कहा कि शिक्षा विभाग हरियाणा एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के दिशा-निर्देशानुसार पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राजकीय विद्यालयों के कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन ब्लॉक से राज्य स्तर तक किया जा रहा है। शिक्षा विभाग हरियाणा एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में एवं उनके दिशा-निर्देशानुसार सभी खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा ब्लॉक स्तरीय /"पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन चार सितंबर को संबंधित खंड के विद्यालय में किया गया। पांचो खंडो में खंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया। कार्यक्रम में डाइट के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. इश्वर सिंह, प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार एवं उल्लास कोऑर्डिनेटर करण सिंह ने अहम योगदान दिया।

खबर संक्षेप

कल्चरल फेस्ट में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कनीना। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को खंडस्तरीय कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत थे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना शामिल है। दो चरणों कक्षा पांचवी से आठवीं तथा नौवीं से 12वीं का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा में खंड के दर्जनभर स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

नागरिक अस्पताल में आज लगेगा स्वास्थ्य कैंप

नारनौल। जिला नागरिक अस्पताल 18 सितंबर को स्वास्थ्य नारी समृद्ध परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आमजन को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और परामर्श दिए जाएंगे। जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि शिविर में मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शिशु स्वास्थ्य विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, मनोरोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र सर्जन, और ईएनटी विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। कैंप का मुख्य फोकस महिलाओं और 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए विशेष जांच और उपचार पर रहेगा। डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि जि में इस तरह का एक बड़ा स्वास्थ्य शिविर पहली बार लगाया जा रहा है।

पांच किसानों के ट्यूबवेल की केबल चोरी

महेंद्रगढ़। गांव बुचौली में अज्ञात चोर पांच किसानों के ट्यूबवेलों से केबल काटकर ले गए। पीड़ित किसानों ने शहर थाना पुलिस में शिकायत देकर केबल बरामद करने व चोर को पकड़ने की मांग की हैं। पुलिस ने पीड़ित किसान की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। गांव बुचौली निवास किसान सूबेसिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके खेत में ट्यूबवेल से अज्ञात चोर केबल चोरी करके ले गए हैं। इसके बाद पता चला कि उनके आस-पास के चार और ट्यूबवेलों से भी केबल गायब हैं। चोरी का शिकार बने अन्य किसानों में बिहारीलाल, रमेश, दिलीप सिंह च माजरा खुर्द के सोमवीर शामिल हैं।

बिजली कटों को दूर करने के लिए बदली जा रही केबल

अक्टूबर माह में पूरा करने का रखा लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बिजली संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए बिजली निगम के अधिकारियों ने शहर में केबल बदलने का काम शुरू कर दिया है। शहर के विभिन्न एरिया में करीब तीन हजार मीटर लंबी केबल बदली जानी है। निगगम की ओर से शह में 15 से अधिक बिजली के खंभे लगाए जाने हैं। बिजली निगम की ओर से यह काम अक्टूबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया हैं। इसके बाद 50 हजार से अधिक आबादी के लोगों को बिजली अघोषित कटों से राहत मिलेगी। शहर की अनेक कॉलोनियों व मोहल्लों में घरों और गली के बीच बिजली की लटकती जर्जर केबल लगातार हादसों का बना हुआ था। शहर के मोहल्ला महायचान, वाल्मीकि, तिवाड़ीयान, सैनीपुरा, मसानी चौक से कॉलेज रोड तक, ऑटो मार्केट में पुरानी केबल को बदलकर नई केबल डाली जा रही है।

खास बातें

- चार लाख 12 हजार 921 रुपये की लागत से हो रहा है कार्य
- उपभोक्ताओं को मिलेगा फायदा
- तीन हजार मीटर लंबी बदलेंगे केबल

उपभोक्ता को मिलेगा फायदा

जर्जर तारों के कारण शहरी इलाके में हमेशा हादसे होते रहते हैं। खासकर बरसात के मौसम में यह परेशानी ज्यादा उत्पन्न होती है। जिसको देखते हुए बिजली निगम ने जर्जर तारों के बदलने का काम शुरू किया है। जिस रफ्तार से कार्य हो रहा है। उससे लग रहा है कि निर्धारित समय तक तार बदल दिए जाएंगे। इससे निगम को तो फायदा होगा ही, साथ ही साथ उपभोक्ताओं को भी सहुलियत होगी।

महेंद्रगढ़। बिजली निगम कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

पुरानी केबल व खंभे बदलने का कार्य शुरू

शहर में पुरानी केबल और खंभे बदलने का कार्य शुरू करवा दिया है। कुछ स्थानों पर कार्य पूर्ण हो चुका है। अन्य क्षेत्रों में भी जल्द काम करवा दिया जाएगा। प्रयास है कि किसी भी बिजली उपभोक्ता को परेशानी न उठानी पड़े।
- वेदप्रकाश, जेई, बिजली निगम, महेंद्रगढ़

120 एमएम की डल रही है केबल

तार जर्जर होने के कारण बिजली के अघोषित कट लग जाते थे। इससे लोगों को परेशानी होती थी। बिजली निगम की ओर से चार लाख 12 हजार 921 रुपये की लागत से करीब तीन हजार मीटर केबल बदलने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके अलावा 15 से अधिक खंभे भी लगाए जाएंगे। निगम के जिम्मेदारों की मानें तो 120 एमएम मोटी केबल डाली जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को जहां बिजली अघोषित कट से छुटकारा मिलेगा तो बिजली चोरी पर भी बिजली निगम को भी घाटा नहीं झेलना पड़ेगा। अधिकारियों के अनुसार तार और पोल की स्थिति जर्जर होने से दुर्घटना की आशंका थी। इसलिए समय रहते मरम्मत की जा रही है। इससे भविष्य में उपभोक्ताओं को निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से कहा है कि वे पहले से तैयारी कर लें। विशेषकर जिनका काम बिजली पर निर्भर है, उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। विभाग निर्धारित समय में काम पूरा करने का प्रयास करेगा, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।

ऐतिहासिक स्थलों का जीर्णोद्धार सरकार का सकारात्मक प्रयास

नारनौल बनेगा भविष्य का पर्यटन केंद्र : डॉ. अभय

ढोसी के पहाड़ पर एक राष्ट्रीय स्तर का प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र विकसित करने के लिए सरकार के पास प्रस्ताव विचाराधीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार द्वारा जिले के ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार का अभियान भविष्य में नारनौल सहित सारे ज़िले को एक महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने जा रहा है। पूर्व सिंचाई मंत्री डॉक्टर अभय सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में नारनौल के ऐतिहासिक भवनों के जीर्णोद्धार के लिए लगातार धन एवं संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

हाल ही में पर्यटन मंत्री द्वारा इस विषय में घोषित व्यापक योजना के अंतर्गत महेंद्रगढ़ ज़िले के अन्य ऐतिहासिक स्मारकों के जीर्णोद्धार की योजना पर भी काम चल रहा है और कुछ पर अभी काम प्रारंभ होने जा रहा है।

इसी कड़ी में अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा ढोसी के पहाड़ पर रोपवे के निर्माण के साथ ही इस पहाड़ को भी एक पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। विकास की यह श्रंखला जब पूर्ण हो जाएगी तो विशेषकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण के ठहराव का ठिकाना बनेगा।

नारनौल से गुज़रने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग -11, दिल्ली-राजस्थान पर्यटन मार्ग के रूप में पिछले कई वर्षों से अपनी पहचान बना चुका है। पश्चिमी देशों विशेषकर यूरोपीय देशों से ऐतिहासिक पर्यटन के लिए पहुंचने वाले पर्यटक अब तक नारनौल में मात्र कुछ देर के लिए जलपान और भोजन के लिए ही रूकते रहे हैं।

ऐतिहासिक भवन हो रहे विकसित

उन्होंने कहा कि नारनौल का कोई भी ऐतिहासिक भवन अथवा स्थल अब तक इस तरह से विकसित नहीं किया गया था अन्यथा ऐतिहासिक दृष्टि से यह शहर लंबे समय से अनेक ऐतिहासिक धरोहरों को संजोए हुए है। इतिहास के लगभग एक हज़ार साल से अधिक के काल खंड के बने हुए यह प्राचीन भवन कला एवं कारीगरी का अद्भूत नमूना पेश करते हैं। इतिहास का हर कालखंड मानव संस्कृति व सभ्यता के विकास की एक कहानी कहता है। प्राचीनकाल की यह धरोहर एक काल खंड के इतिहास को समाए हुए हैं जो इतिहास के एक अध्याय को पढ़ने और समझने का अवसर देते हैं। अतः ऐतिहासिक इमारतों को किसी धर्म, किसी शासक या शासनकाल से जोड़कर देखने की बजाय उसे मानव सभ्यता के एक काल खंड की धरोहर के रूप में देखा जाता है। यूरोप से आने वाले पर्यटक सामान्यतः ऐसे ही ऐतिहासिक भवनों को देखने के लिए राजस्थान का भ्रमण करने आते हैं। सरकार द्वारा इन भवनों का जीर्णोद्धार करने के साथ ढोसी के पहाड़ का प्राकृतिक आकर्षण इस पूरी पर्यटन श्रंखला का केंद्र बनेगा।

व्यापार और रोज़गार भी बढ़ेगा

ढोसी के पहाड़ पर एक राष्ट्रीय स्तर का प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र विकसित करने के लिए सरकार के पास प्रस्ताव विचाराधीन है। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल जब ढोसी पहाड़ का दौरा करने आए थे, उसी समय से इस पहाड़ को पर्यटन आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की परियोजना सरकार के पास विचाराधीन है। अतः इस विषय को भी पर्यटन विभाग द्वारा आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। माधोगढ़ से लेकर नांगल चौधरी के इस्लामपुरा तक के पर्यटन स्थलों का जीर्णोद्धार प्रस्तावित है। सरकार द्वारा जब यह समस्त कार्य संपन्न कर लिए जाएंगे तो इस क्षेत्र में पर्यटन के साथ ही व्यापार और रोज़गार भी बढ़ेगा। हरियाणा सरकार और पर्यटन मंत्री सभी बधाई के पात्र हैं और उनसे उम्मीद की जाती है इस काम को सही लक्ष्य तक पहुंचाएंगे।

मार्ग को सुगम बनाने का काम हो शुरू

स्थलों के पहुंच मार्ग को सुगम बनाने का काम भी सरकार को साथ ही प्रारंभ करना चाहिए। इनमें से कुछ स्थलों के पहुंच मार्ग या तो तंग रास्तों से गुजरते हैं या कुछेक स्थलों के रास्ते रिकॉर्ड में उपलब्ध ही नहीं हैं। प्रदेश सरकार एवं नारनौल जिला प्रशासन को इन सभी स्थलों पर पहुंच को आसान बनाने के लिए आवश्यक क़दम उठाने चाहिएं।

पर्यटन मंत्री आज नारनौल में करेंगे संरक्षण

ऐतिहासिक व विरासत नगरी नारनौल से 18 सितंबर को प्रदेश के 20 संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संवर्धन की शुरुआत होगी। सेवा पखवाड़ा के तहत चोर गुंबद व नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में आयोजित इस प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। पर्यटन विभाग इन 20 राज्य संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संवर्धन पर 95 करोड़ 17 लाख रुपए खर्च करेगा। इनमें नौ स्मारक जिला महेंद्रगढ़ के हैं।

सीएचसी दोचाना से 'स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार' अभियान पखवाड़े का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोचाना में बुधवार सुबह नौ बजे "स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार" अभियान पखवाड़े का शुभारंभ सरपंच डॉ. मूलचंद एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजली सैनी ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए डॉ. अंजली सैनी ने कहा कि पखवाड़े के दौरान सीएचसी क्षेत्र के सभी गांवों में महिलाओं और बच्चों के लिए कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, एनीमिया व टीबी की जांच, गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच तथा बच्चों के लिए विशेष टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही सभी लाभार्थियों की आभा आईडी बनाई जाएगी और 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के वाया वंदना कार्ड तैयार किए जाएंगे। डॉ. सैनी ने आगे कहा कि अभियान के दौरान जिन मरीजों में गंभीर बीमारियों की पहचान होगी, उन्हें आगामी एक अक्टूबर 2025 को सीएचसी दोचाना में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इस मेगा कैंप में आमजन को संतुलित आहार व जीवनशैली संबंधी सुझाव भी दिए जाएंगे, ताकि लोग अधिक स्वस्थ जीवन जी सकें। इस मौके पर डॉ. कुदरत, डॉ. मुकुल, डॉ. अभिषेक सिंघानिया, प्रवीण शर्मा (खंड आशा समन्वयक) सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नारनौल। दौचाना में पखवाड़े का शुभारंभ करती चिकित्सा अधिकारी डा. अंजली सैनी। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने सुनीं वलोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार की प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान की पहल को उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने पूरी तरह से सार्थक किया है। अपनी व्यस्त दिनचर्या और लगातार बैठकों के बावजूद वे अक्सर लोगों के बीच पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनते हैं।

इसी कड़ी में बुधवार को उन्होंने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। जब उपायुक्त लगातार बैठकों के दौर में व्यस्त थे, तब भी उन्होंने मीटिंग को बीच में ही रोककर वेटिंग एरिया में जाकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने धैर्यपूर्वक एक-एक व्यक्ति की बात सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाना है। यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है कि कोई भी नागरिक अपनी समस्या के समाधान के लिए निराश होकर न लौटे। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता रहती है कि लोगों को कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याएं यथासंभव उसी दिन हल हो जाएं।

नारनौल। वेटिंग एरिया में बैठकर नागरिकों की समस्याएं सुनते डीसी।

उपायुक्त के कदम की लोगों ने की सराहना:

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक को सम्मान दें और उनकी शिकायतों का समाधान करने में कोई कोताही न बरतें। यह सुनिश्चित करें कि सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।

सत्यप्रकाश यादव बने यूनियन के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन नारनौल यूनिट के चुनाव सब-अर्बन सब-डिवीजन डीएचबीवीएन के प्रांगण में सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी के तौर पर सर्किल सचिव सत्यवीर व अशोक यादव जेई उपस्थित रहे। जिनकी देखरेख में नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव हुआ। सभी पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चुना गया। इस दौरान सत्यप्रकाश यादव को प्रधान, प्रमोद जेई को

सचिव, राकेश यादव को वरिष्ठ उप-प्रधान, दिनेश सोनी को कोषाध्यक्ष, सुरेश कुमार को सहसचिव, राकेश कुमार को उपप्रधान, संदीप शर्मा, अजय सोनी, प्रेमपाल व रामोतार को संगठनकर्ता, जितेंद्र को ऑडिटर व ललित कुमार को चेयरमैन नियुक्त किया गया। इस मौके पर यूनिट प्रधान अशोक यादव, सर्किल सचिव सत्यवीर, अशोक यादव जेई, सब अर्बन यूनिट प्रधान चंद्रजीत, नांगल चौधरी सब यूनिट प्रधान जितेंद्र डांगी, सिटी सब यूनिट प्रधान सुरेंद्र, सिहमा सब यूनिट प्रधान विनीत, अटेली सब यूनिट प्रधान बलवान, सिटी टू प्रधान जितेंद्र जेई, भूपसिंह बडेसरा, राजेंद्र यादव, सुरेंद्र जोशी जेई, सुभाष रोहिला, बजरंग जेई व भूपेंद्र जेई आदि उपस्थित थे।

नारनौल। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन की नव गठित कार्यकारिणी।

दिव्यांगजनों व वृद्धजनों को 21 लाख के सहायक उपकरण किए वितरित

- लाभार्थियों ने बड़ी एलईडी के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर सेवा परमो धर्म के संकल्प के साथ बुधवार से जिला में सेवा पखवाड़े की विधिवत शुरुआत हुई। पूर्व मंत्री व विधायक ओम प्रकाश यादव ने लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार से वरिष्ठजनों व दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायक उपकरण वितरित करके शुभारंभ किया।

इस मौके पर विधायक कंवर सिंह यादव तथा उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार भी मौजूद थे। इस मौके पर नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को बड़ी एलईडी के जरिए सुना। राष्ट्रीय वयोश्री एवं एडिप योजना के तहत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से जिला रेडक्रॉस समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लगभग 200 वरिष्ठजन व दिव्यांगजनों को 21 लाख रुपए की राशि के सहायक उपकरण वितरित किए।

नारनौल। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित करते विधायक ओमप्रकाश यादव व विधायक कंवर सिंह यादव।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला प्रमुख राकेश कुमार, जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, राकेश शर्मा, जेपी सैनी, पवन खैरवाल, जिला रेड क्रॉस समिति के सचिव बलवान सिंह, डॉ. एसपी सिंह व एलिम्को से डॉ. प्रिया आदि मौजूद थे।

डीसी ने युद्ध वीरांगनाओ को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत जिले की युद्ध वीरांगनाओ को सम्मानित किया। डीसी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान प्रत्येक जिले में युद्ध विधवाओं (रक्षा एवं सीएपीएफ) का सम्मान किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा चिन्हित सरकारी स्कूलों का नाम हरियाणा के शहीदों के नाम पर रखा जाएगा। शहीदों के नाम पर पहले से ही नामित विद्यालयों का वर्गीकरण तथा साथ ही उनके बल अर्थात सेना, नौसेना, वायु सेना या सीएपीएफ के किसी अन्य बल के आधार पर नामित किए जाने वाले प्रस्तावित विद्यालयों का वर्गीकरण किया जाएगा। वहीं संबंधित विद्यालयों में शहीदों के नाम पर डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। ईएसएम और सीएपीएफ कार्मिकों के पंजीकरण, कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और शिकायतों के समाधान के लिए सहायता डेस्क की स्थापना की जाएगी। इस अवसर पर जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर सतीश चंद्र यादव (सेवानिवृत), जिला समाज कल्याण कार्यालय से करण सिंह, अरुण कुमार व पवन आदि मौजूद थे।

नारनौल। युद्ध वीरांगनाओ को सम्मानित करते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

जनसेवा मंडल ने किया मानव अधिकार आयोग के स्पेशल मोनिटर का स्वागत

नारनौल। जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया ने मानव अधिकार आयोग के स्पेशल मोनिटर बालकृष्ण गोयल का स्वागत किया गया। पवन बाछौदिया ने कहा कि मानवाधिकार आयोग देश की एक ऐसी संस्था है जो प्रत्येक व्यक्ति को उनके अधिकारों को दिलवाती है। जिस भी व्यक्ति को लगता है कि उसके अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बालकृष्ण गोयल की कार्यप्रणाली की भूरी भूरी प्रशंसा की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

पुलिस अधिकारी/कर्मचारी निष्ठा एवं लगन से कर्तव्यों का करें निर्वहन : भसीन

साउथ रेंज आईजी ने किया दौरा, 3 पुलिस कर्मियों को नकद इनाम दिया

आईजी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दक्षिण मंडल रेवाड़ी की पुलिस महानिरीक्षक नाजनीन भसीन ने बुधवार को नारनौल का दौरा किया। उनके लघु सचिवालय पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, डीएसपी सुरेश कुमार ने स्वागत किया। आईजी के इस दौरे का उद्देश्य पुलिस कार्यालय के कामकाज और व्यवस्था का जायजा लेना था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इसके उपरांत आईजी ने महेंद्रगढ़ पुलिस के तीन पुलिस कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नकद इनाम देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

नारनौल। निरीक्षण करती आईजी नाजनीन भसीन। फोटो :हरभूमि

पुलिस की नौकरी समाज सेवा का एक बेहतरीन माध्यम

आईजी ने अन्य पुलिस कर्मचारियों को कहा कि सम्मानित होने वाले पुलिस कर्मचारियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने जीवन में नियमित रुप से ईमानदारी से काम कर समाज में पुलिस विभाग की बेहतर छवि के लिए काम कर समाज में एक अनूठी मिशाल पेश करनी चाहिए। पुलिस जवानों को अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा समाज हित में कार्यों करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी समाज सेवा का एक बेहतरीन माध्यम, पूरी निष्ठा एवं लगन से कर्तव्यों का निर्वहन करे। आईजीपी ने कहा कि अच्छा काम करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा तथा काम में लापरवाही व कोताही किसी भी सूरत में नहीं होगी बर्दाश्त नहीं होगी। इसके बाद आईजी ने जिला महेंद्रगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज 32 मामलों के मादक पदार्थों का निरीक्षण किया। आईजी ने लंबित मादक पदार्थों का निस्तारण संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अपनी मौजूदगी में इलैक्ट्रोनिक कांटा से मदों का वजन चैक कराया। निरीक्षण के दौरान आईजी संतुष्ट दिखाई दी। इस मौके पर एसपी पूजा वशिष्ठ, डीएसपी भारत भूषण, एएसआई रवि दत्त प्रवाचक आईजी सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।